मार्च 2016

वर्ष 28 अष्टम् अंक

सामान्य ज्ञान दर्पण

इस अंक में...

7 बाँटने से ही ज्ञान बढ़ता है !

विशेष स्तम्भ

8 समसामयिक सामान्य ज्ञान
16 आर्थिक परिदृश्य
22 राष्ट्रीय परिदृश्य
27 अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य
32 क्रीड़ा जगत्
35 विज्ञान समाचार
37 समसामयिक महत्वपूर्ण तथ्य
38 युवा प्रतिभाएं
43 सारभूत तत्व कोष
47 विगत् वर्षों की विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं में आए उत्तराखण्ड राज्य से सम्बन्धित प्रश्नों का सार संग्रह
52 कम्प्यूटर : एक दृष्टि में

लेख

53 आर्थिक लेख—प्रत्यक्ष विदेशी निवेश-वर्तमान परिप्रेक्ष्य में समग्र विवेचन
55 समसामयिक लेख—जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल की भारत यात्रा
57 अन्तर्राष्ट्रीय समझौता—पेरिस समझौते से उम्मीद की एक नई किरण
59 सामयिक लेख—पाकिस्तान आतंकवाद की शरणस्थली
60 भारतीय रेलवे : महत्वपूर्ण जानकारी
64 आगामी रेलवे भर्ती बोर्ड (तकनीकी/गैर-तकनीकी) परीक्षा हेतु विशेष सामान्य ज्ञान संग्रह

हल प्रश्न-पत्र

69 एस.एस.सी. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल कॉंस्टेबिल (जनरल ड्यूटी) परीक्षा, 2015
76 आर.आर.सी. (पटना) ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2014

एल.आई.सी. अप्रेन्टिस विकास अधिकारी परीक्षा, 2015

83 तर्कशक्ति
85 अंकगणित अभियोग्यता
88 सामान्य ज्ञान
89 English Language
92 बीमा एवं वित्तीय विपणन अभिज्ञता
96 आगामी रेलवे भर्ती बोर्ड (गैर-तकनीकी संवर्ग) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
103 आगामी रेलवे भर्ती बोर्ड (गैर-तकनीकी संवर्ग) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
111 केन्द्रीय विद्यालय संगठन लोअर डिवीजन क्लर्क परीक्षा, 2015
117 एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी लेवल (10+2) परीक्षा, 2015

सामान्य/विविध

132 वार्षिक रिपोर्ट 2014-15 सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के बढ़ते चरण-विहंगावलोकन
135 ज्ञान वृद्धि कीजिए
136 रोजगार समाचार

सामान्य ज्ञान दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. —सम्पादक

• **E-mail :** publisher@pdgroup.in • **Website :** www.pdgroup.in

बाँटने से ही ज्ञान बढ़ता है !

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

आध्यात्म विज्ञान कहीं-कहीं विरोधाभासी-सा प्रतीत होता है. जैसे यह कहना कि बाँटने से ही ज्ञान बढ़ता है. जब भी कोई चीज बाँटी जाती है वह बढ़ जाती है. लेकिन गणित और अर्थशास्त्र के नियम बताते हैं कि वितरण करने पर मूल वस्तु घटती जाती है. वितरण हमेशा चीजों को तोड़ता है, छोटा करता है. यह तथ्य तो बचपन में गणित की प्रारम्भिक कक्षा में ही सिखा दिया गया था. जितने में बाँटा उतना छोटा हुआ. यह गणित का सूत्र है, किन्तु जीवन में एक परम गणित भी है. जिसके सूत्र अंकगणित, बीजगणित व रेखागणित से जुड़े हैं.

ऐसा ही यह सूत्र है कि 'ज्ञान बाँटने से सदा बढ़ता है.' ज्ञान छुपाने से शनैः-शनैः लुप्त होता जाता है, विस्कृत हो जाता है. जब एक व्यक्ति अपनी नई शोध (Research) को दुनिया के समक्ष प्रस्तुत करता है, तब ही दुनिया के अन्य विद्वान् लोग उस शोध के आधार पर और भी नई शाखाएं आविष्कृत कर पाते हैं. अगर थॉमस अल्वा एडिसन ने बिजली का उपयोग कर बल्ब जलाने की विद्या का दुनिया को ज्ञान नहीं दिया होता, तो क्या आज हम जगमगाती रंग-रंगीली रोशनी को निहार पाते ?

अगर न्यूटन एवं आइन्स्टीन जैसे विद्वानों ने, वैज्ञानिकों ने अपने द्वारा आविष्कृत सूत्रों को न बताया होता, तो क्या आधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों का उपयोग सम्भव हो पाता. इस दुनिया में संस्कृति हो या सभ्यता, कला हो या विज्ञान, राजनीति हो या धर्म नीति —जिसने भी स्वयं को सर्व के लिए समर्पित किया, वही जी पाई. अमर हो पाई. मृत्युञ्जय हुई. पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तान्तरित हुई. जिस किसी ने बचा के रख लिया, छुपाकर रख लिया, हम महान्, हम अपूर्व ऐसा मानकर अपने ज्ञान-विज्ञान को बहुजन उपयोगी नहीं होने दिया, समय के साथ वे संस्कृतियाँ विलुप्त हो गईं. उनके अवशेष मात्र शेष रह गए.

ज्ञान 'गति' गुण है. जीवन की गति ही आत्मा का ज्ञान गुण है. जो बँटते हुए बढ़ती है. ज्ञान-दान को सदियों-सदियों से सर्वश्रेष्ठ दान माना जाता रहा है. यही कारण है कि राजा-महाराजा भी ज्ञान देने वाले गुरुगणों का, साधुजनों का, विद्वतजनों का, शिक्षकों का सम्मान करते रहे हैं. अपना शीश झुका कर उन्हें प्रणाम करते रहे हैं. निःस्वार्थ ज्ञान दान करने वाले सदा 'पूजनीय' माने गए हैं. आपके पास दो लाख रुपए हैं और आप एक लाख रुपए किसी को देते हैं, तो आपके पास एक लाख रुपए ही बचे, किन्तु अगर आपके पास दो ज्ञान के सूत्र हैं और उन्हें आप दूसरों के साथ शेयर करते हैं, तो आपके पास तो दो रहे ही, उसके पास भी दो हो गए. अब आप जितने अधिक व्यक्तियों को शेयर करते हैं उतने अधिक हो गए. मजे की बात यह है कि जब भी आप किसी को अपने ज्ञान की या अनुभव की बात शेयर करते हो, वह भी आपको अपना ज्ञान-अनुभव सुनाता है. घटनाओं को देखने का अपना नजरिया बताता है और तब आपका अनुभव और भी अधिक समृद्ध होता जाता है. इससे आपको भी आनन्द आता है और उसको भी.

●●●